ISSN: 2583-1453 SANCHAR SAROKAR July-September, 2022
www.sancharsarokar.in संचार सरोकार Vol.2, Issue 6
Page Nos. 67-80
Quarterly Peer Reviewed Bilingual Multidisciplinary Research e-Journal

कोरोना महामारी और वेब मीडिया

विकाश कुमार*

**पीएच.डी. जनसंचार (मीडिया अध्ययन विभाग), महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी

शोध सारांश :

सूचना तकनीक के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास ने भारत के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर संचार तथा सूचना क्रांति के लक्ष्य को प्राप्त करने तथा 'विश्वग्राम' की संकल्पना को साकार करने में अहम भूमिका निभाई है। इस क्रांति ने मौजूदा पीढ़ी को इंटरनेट, स्मार्टफोन और वेब मीडिया जैसी नई तकनीकों से जोड़ दिया है जहाँ वो देश-दुनिया की पल-पल की सूचनाओं से जुड़ने के साथ-साथ उस पर अपनी राय भी दे रहे हैं। लेकिन क्रांति के इस दौर में वेब मीडिया के माध्यम से लगातार होने वाली सूचनाओं की बमबारी के बीच आम जनता की समझ व चेतना वास्तविकता और भ्रम के बीच उलझती रही है जिसके फलस्वरूप फेक न्यूज तथा दुष्प्रचार के मामले बढ़ते जा रहे हैं। साल 2019 में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद से इस महामारी को लेकर पूरी दुनिया में कई तरह की अफवाहों और अवैज्ञानिक तथ्यों का प्रचार-प्रसार किया गया। वर्तमान समय तक मुख्यधारा की मीडिया के साथ-साथ वेब मीडिया भी अपनी खबरों, रिपोर्ट, लेख आदि के जरिये इस असमंजस को दूर कर समाज को शिक्षित तथा जागरूक करने में प्रयासरत है। इस शोध पत्र के माध्यम से कोरोना महामारी के दौरान वेब मीडिया की सकारात्मक तथा नकारात्मक भूमिकाओं का विभिन्न दृष्टिकोणों के माध्यम से अध्ययन और विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

बीज शब्द : कोविड-19, कोरोना, महामारी, फेक न्यूज, वेब मीडिया, समाज

साहित्य समीक्षा :

वर्तमान में भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी महामारी से जूझ रही है। आपदा के इस दौर जहां एक तरफ कोरोना से जुड़ी अफवाहों तथा फर्जी खबरों ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को परेशान किया तो वहीं दूसरी तरफ प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक के साथ-साथ वेब मीडिया ने अपनी-अपनी विशिष्ट शैली, भाषा तथा प्रस्तुति के माध्यम से कोविड-19 से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण सूचनाओं तथा तथ्यों को एक पाठक, श्रोता तथा दर्शकों के

Self Attested